

सीखने के प्रतिफल

बुनियादी साक्षरता एवं संख्या-ज्ञान के संदर्भ में



सीखने के प्रतिफल

बुनियादी साक्षरता (भाषा)

शिक्षार्थी –

1. अलग से और शब्द में अक्षरों की पहचान करते हैं।
2. अक्षरों की ध्वनि को उनकी आकृति से जोड़ते हैं।
3. स्वर और उनके संबंधित मात्रा को पहचानते हैं।
4. दो स्तरों पर पढ़ने-लिखने संबंधी प्रक्रियाओं में शामिल रहते हैं- अक्षर से पूर्ण पाठ्य वस्तु की ओर और पूर्ण पाठ्य-वस्तु से अक्षर की ओर।
5. विविध संदर्भों की दैनिक अंतर्वस्तु के माध्यम से पढ़ने और लिखने का प्रयोग करते हैं।
6. एक से अधिक तरीके का प्रयोग करते हुए पढ़ते हैं - चित्र या संदर्भ के आधार पर अनुमान लगाना, पूरे शब्द की पहचान करना, डीकोडिंग आदि।
7. दिए गए अक्षर या ध्वनि से शुरू या समाप्त होने वाले शब्दों की सूची बनाते हैं।
8. स्पष्ट रूप से अक्षर, शब्द, छोटा टेक्स्ट लिखते हैं।
9. भाषा/ पाठ्य-वस्तु में आवृत्ति वाले (बार-बार आने वाले) शब्दों की पहचान करते हैं।
10. अपने परिवेश में सामान्य रूप से उपलब्ध लिखत (प्रिंट या छपी हुई पाठ्य-वस्तु) को पढ़ते हैं और अपने जीवन के अनुभवों तथा स्थितियों से जोड़ते हैं।
11. प्रवेशिका की भाषा अथवा अपनी भाषा में चीजों को नाम देते (लिखते) हैं।
12. किसी की सहायता से और क्रमशः स्वतंत्र रूप से पाठ्य-वस्तु पढ़ते हैं।
13. पाठ्य-वस्तु के आधार पर प्रश्नों के उत्तर (प्रतिक्रिया, टिप्पणी, तर्क, राय आदि) मौखिक/ लिखित रूप से देते हैं।
14. विशेष बिंदुओं का पता लगाने के लिए विषयों या पाठ्य-वस्तु के इर्द-गिर्द बातचीत करते हैं।

सीखने के प्रतिफल

बुनियादी संख्या-ज्ञान (गणित)

शिक्षार्थी –

1. 1 से 100000 तक की संख्याओं को अपने दैनिक जीवन के संदर्भ में पढ़ते और लिखते हैं।
2. बराबर '=', जोड़ '+', घटा '-', गुणा '×' और भाग '÷' के चिह्नों की पहचान एवं दैनिक जीवन में प्रयोग करते हैं।
3. जोड़, घटा, गुणा और भाग की संक्रियाओं का दैनिक जीवन के संदर्भों में उपयोग करते हैं।
4. 1 से 999 तक की संख्याओं में इकाई, दहाई और सैंकड़े को समझते हुए उनका प्रयोग करते हैं।
5. 1, 2, 5, 10, 20, 50, 100, 200 और 500 के नोटों/सिक्कों को पहचानते हैं एवं लेन-देन करते हैं।
6. दैनिक जीवन में वस्तुओं की कीमत का उसकी मात्रा और मूल्य के अनुसार हिसाब लगाते हैं तथा लेन-देन करते हैं।
7. दैनिक जीवन के विविध संदर्भों में वस्तुओं, स्थान आदि को बराबर भागों में बाँटते हैं। बराबर हिस्सों के आधार पर आधा, एक चौथाई, तीन चौथाई को पहचानते हैं।
8. आधा, एक चौथाई, तीन चौथाई को भिन्न संख्याओं के रूप में लिखते हैं।
9. द्विविमीय आकारों, जैसे- तिकोन, चौकोर, गोल तथा त्रिविमीय आकारों जैसे वृत्ताकार, बेलनाकार, शंक्वाकार, घनाकार, धनाभाकार आदि की उनकी विशेषताओं के साथ चर्चा करते हैं एवं दैनिक जीवन में उपयोग करते हैं।
10. आकृतियों तथा संख्याओं के पैटर्न की पहचान, विस्तार तथा निर्माण करते हैं।
11. लंबाई, वजन एवं धारिता/आयतन का अमानक एवं मानक इकाइयों में मापन करते हैं तथा संबंधित इकाइयों के मध्य अंतर्संबंधों को बताते हैं।
12. घड़ी (एनालॉग और डिजिटल) में घंटे, मिनट एवं सेकेंड में समय पढ़ते हैं और समय को सुबह, दोपहर, शाम एवं रात के संदर्भ में बताते हैं।
13. घंटे मिनट एवं सेकेंड के बीच संबंध पर चर्चा करते हैं।
14. 24 घंटे वाली घड़ी के समय को 12 घंटे वाली घड़ी के समय में बदलते हैं।
15. अपने परिवेश में प्रचलित कैलेंडर में सप्ताह के दिन, तिथि विशेष एवं वर्ष के महीनों की पहचान करते हैं।